मंगलवार

26 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 122
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# चारधाम रूट पर तेल संकट!

## ❑यात्री बेहाल!

हमारे संवाददाता

चमोली/देहरादून। देशभर में लगातार बढती तेल कीमतों के बीच उत्तराखंड में भी ईंधन संकट गहराने लगा है। खासतौर पर चारधाम यात्रा मार्ग पर पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। बदरीनाथ, केदारनाथ यात्रा मार्ग के कई पेट्रोल पंप सूख चुके हैं, जबकि कई जगह सीमित मात्रा में ही तेल दिया जा रहा है।

चारधाम यात्रा के चरम पर पहुंचने के साथ ही चमोली जिले में ईंधन संकट गंभीर होता जा रहा है। बदरीनाथ स्थित जीएमवीएन पेट्रोल पंप पर प्रशासन ने पेट्रोल और डीजल की सीमा तय कर दी है। यहां एक वाहन को अधिकतम 800 रुपये का पेट्रोल और 1000 रुपये का डीजल ही दिया जा रहा है।

ज्योतिर्मठ के एकमात्र पेट्रोल पंप पर तेल खत्म होने के बाद यात्रियों ने नाराजगी जताते हुए पुलिस के सामने नारेबाजी भी की। प्रशासन ने यात्रियों से अनावश्यक ईंधन भंडारण न करने और अफवाहों से बचने की अपील की है। वहीं चारधाम यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों पर भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। श्रीनगर शहर के पांच में से चार पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल खत्म हो गया। रुद्रप्रयाग में कई पंपों पर सीमित मात्रा में तेल दिया जा रहा है। पीपलकोटी और ज्योतिर्मठ में यात्रियों को लंबी कतारों का सामना करना पड़ रहा है। यहां कई यात्री घंटों इंतजार के बाद भी तेल नहीं भरवा सके।

पूर्ति विभाग के अनुसार रविवार को ईंधन टैंकर समय पर नहीं पहुंच पाए, जिससे संकट और गहरा गया। प्रशासन का कहना है कि भुगतान और आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हुई है। हालांकि जल्द आपूर्ति सामान्य करने का दावा किया जा रहा है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, कीमतें बढ़ने के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों को प्रतिदिन करीब 600 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। एलपीजी सिलेंडर पर भी कंपनियों को घाटा उठाना पड़ रहा है।

# आगामी दिनों में प्रदेश में होगी तापमान में वृद्धिःसुबोध उनियाल

संवाददाता

देहरादून। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि मौसम विज्ञान केन्द्र से जारी पूर्वनुमान के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य में आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि की सम्भावना है।

आज यहां राजपुर रोड स्थित वन विभाग के मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि पृथ्वी के बढते तापमान लम्बे समय तक सूखा, अनियमित मॉनसून, अल नीनो और अन्य कारणों से उत्तराखण्ड के वनों में वनाग्नि की घटनाएं बढी हैं। उन्होंने बताया कि वनाग्नि की स्थित से निपटने के लिए उत्तराखण्ड शासन द्वारा वर्ष 2003 में 'वनाग्नि' को 'दैवीय आपदा' की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मौसम विज्ञान केन्द्र से जारी पूर्वनुमान के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य में आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि की सम्भावना है। विगत वर्षो की वनाग्नि घटनाओं के अनुसार हर एक-दो साल के अन्तराल बाद वनाग्नि घटनाओं में वृद्धि देखी गयी है। उनियाल ने बताया कि वनाग्नि प्रबन्धन व नियंत्रण हेतु वन विभाग, उत्तराखण्ड शासन के साथ-साथ विभिन्न संस्थाओं, एजेंसियों, स्थानीय स्तर पर जन जागरूकता अभियान, प्रचार-प्रसार एवं आम-जन-मानस के सहयोग एवं समन्वय से वनाग्नि नियंत्रण के प्रयास एवं नवाचारों को अपनाने का कार्य कर रहा है। उनियाल ने बताया कि प्रदेश के समस्त जनपदों में वनाग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। वन विभाग के उच्चाधिकारियों को जनपद नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया जिससे वनाग्नि शमन हेतु अन्य विभागों से समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# सत्ता के ठेंगे पर जनता?

जनतंत्र (लोकतंत्र) जनता पर आधारित शासन व्यवस्था होती है तथा किसी भी राष्ट्र में सत्ता द्वारा जन भावनाओं के अनुरूप काम करना ही उसकी लोकप्रियता को निर्धारित करता है। जनतंत्र में जनता को सिर्फ अपनी सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता है अपितु समाज और राष्ट्रहित में काम न करने वाली सरकार को बदलने का भी अधिकार होता है। मगर आजादी के अमृतकाल में जनता को उसके सबसे बड़े संवैधानिक अधिकार से वंचित किया जा चुका है। वर्तमान दौर में सरकारें अगर जनमत से चुनी जा रही होती तो सत्ता में बैठे लोग इस बात का दावा नहीं कर सकते थे कि आप वोट चाहे जिसे दे सरकार तो भाजपा की ही बनेगी या फिर किसी भी समुदाय विशेष को यह कहकर धमका नहीं पाते कि उन्हें उनके वोट की जरूरत नहीं है। इसलिए अब किसी को भी इस मुगालते में रहने की जरूरत नहीं है कि देश में लोकतंत्र है और जब लोकतंत्र ही नहीं बचा है तो आपके संवैधानिक अधिकार की बात भी बेमानी हो जाती है। सत्ता का बेखौफ होना और मनमाने तरीके से फैसला लेना तथा किसी की भी बात को गंभीरता से न लेना स्वाभाविक ही है। सत्ता में बैठे लोगों को अब किसी भी विपक्ष दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शनों तथा जनता के आक्रोश और गुस्से का भी उस पर कोई असर नहीं दिखाई देता है। आम जनता और विपक्ष के नेता सब सत्ता के ठेंगे पर हैं। इन दिनों काकरोच जनता पार्टी को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हो रही है। इनका सत्ता पर क्या असर पड़ा है इस सवाल को लेकर भले ही देश का सोशल मीडिया चिल्लाता रहे कि सरकार डर गई मगर यह झूठ है। दो करोड़ कॉकरोच अगर पेपर लीक मुद्दे को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं और वह अपने पद पर बने हुए हैं या उन्हें हटाना भी सरकार जरूरी नहीं समझ रही है तो इसका सीधा अर्थ है कि सरकार को किसी भी बात या विरोध प्रदर्शन से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि यह कोई पहला मुद्दा है। देश में महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण के खिलाफ सत्ता में बैठे लोगों ने कब किसकी बात सुनी थी। देश के जो किसान अपनी जायज मांगों को लेकर सालों तक सड़कों पर पड़े रहे और 700 किसान मर-खप गए तब क्या सत्ता ने उनकी बात सुनने या मानने की जरूरत समझी थी। जन उपेक्षा के इस तरह के एक नहीं तमाम उदाहरण मौजूद है। बीते 12 सालों में अब तक किसी एक भी मंत्री ने किसी बात की नैतिक जिम्मेवारी ली और अपने पद से इस्तीफा दिया या सरकार ने उससे इस्तीफा देने को कहा। मणिपुर में जो कुछ भी हुआ वह इतना अधिक शर्मनाक था कि देश ही नहीं विदेशों तक इन घटनाओं को लेकर भारत की छवि धूल दूषित हुई लेकिन केंद्र सरकार पर क्या कुछ फर्क पड़ा? हरियाणा, महाराष्ट्र तथा बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावों को लेकर भले ही कितनी भी आपत्तियां निर्वाचन आयोग और न्यायालय तक पहुंची हो लेकिन इस पूरी कवायद का सरकार पर क्या कोई फर्क पड़ा? महिलाओं को खुश करने के लिए सरकार नारी वंदन बिल भले ही ले आई हो लेकिन क्या उन्हें आरक्षण मिल सका? महिलाओं के वोट बटोरने की तमाम ऐसी योजनाएं लाकर जिसमें चुनाव के दौरान उनके खातों में सीधे रकम भेजी गई क्या उस पर कोई पाबंदी लगा सका? सौ बातों की एक सीधी बात यह है कि जनता सत्ता के ठेंगे पर है। कोई भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। ऐसे में कॉकरोच भी क्या कर लेंगे? अभी सिर्फ उनके मीडिया अकाउंट बन्द किए गए हैं फिर भी नहीं मानेंगे तो जेल में डाल दिए जाएंगे। यही तो है इस देश का आज का लोकतंत्र।

### उत्तराखंड में विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-18)

## उत्तराखंड में बढ़ता असंतोष, 2027 में बदल सकता है सियासत का चेहरा

# पहाड़ की 'खामोशी' में सुलग रहा 'असंतोष'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 भले अभी दूर हो, लेकिन प्रदेश की राजनीति में चुनावी पारा धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। इस बार चुनावी मैदान में सबसे बड़ा मुद्दा आमजन का बढ़ता असंतोष बन सकता है। पहाड़ से लेकर मैदान तक जनता के बीच बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली और विकास के असमान वितरण को लेकर नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है।

राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी पहाड़ के हजारों गांव आज बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गांवों से लगातार हो रहा पलायन उत्तराखंड की सबसे बड़ी विडंबना बन चुका है, जिन खेतों में कभी फसलें लहलहाती थीं, वहां अब झाड़ियां उग रही हैं। स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है और कई गांवों में ताले लगे मकान राज्य की हकीकत बयां कर रहे हैं।

युवाओं के भीतर सबसे ज्यादा गुस्सा रोजगार और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर दिखाई दे रहा है। पिछले वर्षों में सामने आए भर्ती घोटालों ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं में यह भावना गहराती जा रही है कि मेहनत से ज्यादा सिस्टम की पहुंच मायने रखती है। यही कारण है कि सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक युवाओं का असंतोष लगातार दिखाई दे रहा है।

महंगाई भी आम आदमी की कमर तोड़ रही है। रसोई गैस, बिजली, पेट्रोल और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने मध्यमवर्ग और गरीब परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पहाड़ में आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डाक्टरों और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। गंभीर मरीजों को आज भी इलाज के लिए देहरादून, हल्द्वानी या बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार जनता केवल घोषणाओं और नारों से प्रभावित नहीं होगी। लोग जमीन पर बदलाव देखना चाहते हैं।

**❑रोजगार की आस में भटकता पहाड़ का युवा, खाली होता पहाड़**
**❑महंगाई की मार और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर फूटेगा गुस्सा**
**❑उत्तराखंड में पहाड़ से मैदान तक सुलग रहे हैं बुनियादी सवाल**

सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे चुनावी विमर्श के केंद्र में रहेंगे। विपक्ष भी सरकार को इन्हीं मुद्दों पर घेरने की तैयारी में जुटा है। हालांकि सत्ताधारी दल विकास कार्यों, सड़क परियोजनाओं, चारधाम यात्रा, पर्यटन और निवेश को अपनी उपलब्धि के रूप में जनता के सामने रख रहा है। लेकिन गांवों और कस्बों में बढ़ती नाराजगी यह संकेत दे रही है कि जनता अब विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच तुलना करने लगी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का दावा है कि जनता इस बार भाजपा की नीतियों से पूरी तरह ऊब चुकी है और विकल्प की तलाश में है। वहीं, भाजपा संगठन इस बात से बेफिक्र है और उसका मानना है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किए गए कड़े फैसले और बुनियादी ढांचे का विकास उन्हें सत्ता विरोधी लहर से बचा ले जाएंगे। जनता में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसका मानना है कि सूबे में नौकरशाही आम लोगों और जनप्रतिनिधियों पर हावी है। छोटे-छोटे कामों के लिए जनता को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। भ्रष्टाचार का मुद्दा भले ही सतह पर न दिखे, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती से लोग खफा हैं।

2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की लड़ाई नहीं होगा, बल्कि यह उस आम आदमी की उम्मीदों और नाराजगी का चुनाव भी बन सकता है जो वर्षों से बेहतर उत्तराखंड का सपना देख रहा है। अगर जनता का यह असंतोष आने वाले समय में और गहराया, तो यह चुनावी नतीजों की दिशा बदलने की ताकत भी रखेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2027 का चुनाव केवल चेहरों या दावों पर नहीं, बल्कि सीधे तौर पर जन-सरोकारों और बुनियादी मुद्दों पर लड़ा जाएगा।

### प्रदेश के युवाओं में है निराशा

उत्तराखंड के पहाड़ों से सेना में जाने की एक समृ( परंपरा रही है। केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को लेकर यहां के युवाओं में जो असमंजस और गुस्सा था, वह अब भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। इसके अलावा राज्य सेवा परीक्षाओं में पेपर लीक के पुराने जख्म और स्थायी नौकरियों की कमी ने पढ़े-लिखे युवाओं को निराश किया है। मैदान से लेकर पहाड़ तक रोजगार आज भी सबसे बड़ा सुलगता हुआ मुद्दा है।

#### आमजन के पहचान की लड़ाई

पिछले कुछ समय से उत्तराखंड में सख्त भू-कानून और मूल निवास की मांग को लेकर जनता सड़कों पर उतरी है। पहाड़ों में बाहरी लोगों द्वारा धड़ाधड़ जमीनें खरीदने और स्थानीय लोगों के अधिकारों के सीमित होने की आशंका ने एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया है। जनता में यह धारणा बलवती हो रही है कि सरकारें उनकी जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने में ढुलमुल रवैया अपना रही हैं।

# जिलाधिकारी ने उद्योगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में जिला उद्योग मित्र समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें औद्योगिक आस्थानों की समस्याओं, उद्यमियों की आवश्यकताओं तथा औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पिछली बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।



महाप्रबंधक उद्योग सोमनाथ गर्ग ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक संस्थानों में बाहरी वाहनों के अनियंत्रित पार्किंग पर चालान एवं नियमित गश्त की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि राजकीय औद्योगिक आस्थान सिताबपुर में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पुरानी देयताओं के निस्तारण एवं नियमानुसार यूजर चार्ज वसूली के लिए पत्राचार किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग, नगर निगम और उद्यमियों को 15 दिनों के भीतर मामले का समाधान करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि लंबित यूजर चार्ज का भुगतान न होने पर नियमानुसार आरसी जारी की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में उद्योगों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों, विशेषकर हर्बल एवं काष्ठ आधारित उद्योगों को बाजार से जोड़कर स्वरोजगार और निर्यात की नई संभावनाएं विकसित की जाएंगी।

**❑बायर-सेलर मीट और मार्केटिंग सेल बनाने की पहल**

बैठक में औद्योगिक आस्थान सिताबपुर में नालों के बंद होने से उत्पन्न जलभराव की समस्या पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी तथा नगर आयुक्त कोटद्वार को मौके पर निरीक्षण कर समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में रिक्त एवं बंद पड़े प्रोजेक्ट परिवर्तन के मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्रोथ सेंटर सिडकुल के मुख्य द्वार के रखरखाव एवं मानपुर मार्ग पर सड़क किनारे नाले के निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग तथा नगर निगम को संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा।

बैठक में सुझाव दिया गया कि जनपद में तैयार हो रहे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक प्रभावी मार्केटिंग सेल की स्थापना की जानी आवश्यक है। इस पर जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि स्थानीय उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों तथा उद्योग इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से नियमित रूप से बायर-सेलर मीट आयोजित की जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिवमोहन शुक्ला, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, डीटीडीओ खुशाल सिंह नेगी सहित कई लोग शामिल हुए।

# जी का जंजाल बना गोल्डन कार्ड

बागेश्वर(आरएनएस)। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक रविवार को टोनीखेत स्थित जनमिलन केंद्र (रामलीला भवन) में संपन्न हुई। इस दौरान पेंशन विसंगतियों, गोल्डन कार्ड की खामियों और लंबित देयों को लेकर विस्तृत मंथन हु। वक्ताओं ने कहा कि गोल्डन कार्ड उनके लिए जी का जंजाल बन गया है। इसके लिए की जा रही कटौती बंद करने की मांग की। नंदन सिंह अलमिया ने कहा, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठन को और अधिक सुगठित व व्यवस्थित करना होगा। उमेद रावत कहा कि गोल्डन कार्ड के नाम पर हो रही भारी कटौतियों से बुजुर्ग कर्मचारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पेंशन से गोल्डन कार्ड की कटौती तत्काल बंद की जाए। अस्पतालों में मिलने वाली उपचार सुविधाओं को कैशलेस और व्यावहारिक बनाया जाए, तांकि वृद्ध काश्तकारों/कर्मचारियों को समय पर इलाज मिल सके। सचिव सुरेंद्र वर्मा ने पेंशनर्स के वित्तीय हितों की पुरजोर वकालत करते हुए दो प्रमुख मांगें रखीं। पेंशन कम्यूटेशन (कटौती) की अवधि घटाने और पेंशन कटौती की समय-सीमा को 15 वर्ष से घटाकर 1० वर्ष करने को कहा। बैठक में राज्य निगमों से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लंबित जीपीएफ और पेंशन प्रकरणों के भुगतान में हो रही देरी पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने सरकार से मांग की कि सालों से अटके इन मामलों का अविलंब निपटारा कर बुजुर्गों का हक उन्हें तुरंत सौंपा जाए। इस मौके पर उपाध्यक्ष नारायण सिंह मेहरा, कोषाध्यक्ष हरीश पुरोहित, रतन सिंह खड़ाई, मोहन सिंह बिष्ट, हरीश सिंह भयेरा, लक्ष्मी दत्त खोलिया, मंजू वर्मा और चंदन लाल आदि मौजूद रहे।

## रोड़वेज बस स्टेशन के रख-रखाव पर ध्यान दे सरकार: अलका

काशीपुर(आरएनएस)। महानगर कांग्रेस की जिला अध्यक्ष अलका पाल ने रोडवेज बस स्टेशन की बदहाल सुविधाओं पर नाराजगी जताते हुए सरकार से शीघ्र सुधार कार्य कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन शुरू करेंगे। रविवार को जारी विज्ञप्ति में अलका पाल ने कहा कि लंबे समय से रोडवेज बस स्टेशन को स्थानांतरित किए जाने की चर्चा चल रही है, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं हुआ है। इस कारण वर्तमान बस स्टेशन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने बताया कि स्टेशन की चारदीवारी और टॉयलेट टूटे हुए हैं, जबकि भवन भी जर्जर हालत में पहुंच चुका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान परिसर में जलभराव की समस्या यात्रियों और कर्मचारियों के लिए परेशानी का कारण बनती है। साथ ही बस स्टेशन में केवल 25 प्रतिशत नियमित कर्मचारी और 75 प्रतिशत आउटसोर्सिंग कर्मी कार्यरत हैं।

## रिंगाल के उत्पादों से मजबूत कर रहे आर्थिकी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। सतत विकास के लिए रिंगाल उत्पादों को हमेशा बेहतर विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे ही एक कारीगर हैं ब्लॉक जखोली के ग्राम स्यूर निवासी सज्जन लाल जो वर्षों से रिंगाल काश्तकारी से अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। वह रिंगाल से उत्पाद तैयार कर रहे हैं जिसे लोग भी खूब पसंद कर रहे हैं। सज्जन लाल ने बताया कि उन्होंने अर्थशास्त्र विषय से एमए किया था लेकिन रोजगार के बेहतर अवसर नहीं मिलने पर उन्होंने पारंपरिक काश्तकारी को ही अपना व्यवसाय बना लिया। वर्तमान में वह जंगलों से 2० से 25 किलोमीटर दूर जाकर रिंगाल लाते हैं और उससे टोकरी, कंडी समेत विभिन्न उपयोगी सामग्री तैयार करते हैं। कई बार सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन भी किया लेकिन अब तक किसी भी तरह का लाभ नहीं मिल पाया है। यदि प्रशासन और सरकार की ओर से सहयोग मिले तो उनके जैसे कई कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा और इस पारंपरिक कला को नई पहचान मिल सकेगी।

## पैथोलॉजी लैब को पीपीपी मोड पर देने का विरोध

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले के पैथोलॉजी लैब एवं एक्स-रे संचालकों की एक बैठक में जल्द ही डायग्नोस्टिक एसोसिएशन जिला बागेश्वर की पंजीकृत कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की। इसमें जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और लैब संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए। बैठक में तय किया कि जिले में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी लैब संचालक हमेशा तत्पर रहेंगे। साथ ही सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी लैब को पीपीपी मोड पर किसी निजी कंपनी को सौंपने का विरोध किया जाएगा। सदस्यों ने अस्पतालों में सक्रिय दलालों पर चिंता जताते हुए उनके खिलाफ जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग करने और ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया।


### वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


### हवाओं में केदार की गूंज, रगों में गंगा का पानी, यह है गढ़वाल की अनकही कहानी

# हिमालय की 'गोद' और नदियों का 'मायका'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड का गढ़वाल क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता, गहरी धार्मिक आस्था, समृ( संस्कृति और गौरवशाली इतिहास का एक अनूठा संगम है। सात जिलों

**●मखमली बुग्यालों सी कोमल और चट्टानों सी मजबूत संस्कृति**
**●गौरवशाली अतीत की विरासत और पहाड़ का छलकता पानी**
**●गढ़वाल में कुदरत के आंगन में धड़कता एक पवित्र अहसास**

चमोली, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, टिहरी, देहरादून और हरिद्वार में फैला यह क्षेत्र अपनी कई अनूठी विशेषताओं के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। हिमालय की ऊंची चोटियों, पवित्र नदियों और शांत गांवों से घिरा गढ़वाल केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि पहाड़ी जीवन और संस्कृति की आत्मा माना जाता है।

गढ़वाल को हिंदू धर्म में सबसे पवित्र क्षेत्रों में से एक माना गया है। इसे देवभूमि का मुख्य केंद्र कहा जा सकता है। यहां भारत के प्रसि( चार धामकृबद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्रीकृपूरी तरह से गढ़वाल क्षेत्र में ही स्थित हैं। पवित्र नदी गंगा का उद्गम गंगोत्री से और यमुना का यमुनोत्री से होता है। इसके अलावा, अलकनंदा नदी के पांच पवित्र संगम विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग जिन्हें पंच प्रयाग कहा जाता है, यहीं स्थित हैं। देवप्रयाग में ही अलकनंदा और भागीरथी मिलकर गंगा बनती हैं। सिखों का सुप्रसि( तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब भी चमोली गढ़वाल में एक खूबसूरत बर्फानी झील के किनारे स्थित है।

गढ़वाल की भौगोलिक बनावट में आसमान छूती चोटियां और मखमली घास के मैदान बुग्याल शामिल हैं। भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी नंदा देवी 7816 मीटर, कामेट, त्रिशूल, चौखंबा और नीलकंठ जैसी भव्य चोटियां इसी क्षेत्र का गौरव हैं। चमोली जिले में स्थित यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो मानसून के समय सैकड़ों प्रजातियों के प्राकृतिक फूलों से महक उठता है। ऊंचे पहाड़ों पर पेड़ों की कतार खत्म होने के बाद मिलने वाले घास के मैदानों को बुग्याल कहते हैं। ओली जो स्कीइंग के लिए प्रसि( चोपता, और वेदिनी बुग्याल इसके शानदार उदाहरण हैं।

गढ़वाल की संस्कृति यहां के सीध `-सादे और कठिन जीवन जीने वाले लोगों की जीवंतता को दर्शाती है। यहां के पारंपरिक नृत्य जैसे थड़िया, चौंफला और झुमेलो बहुत प्रसि( हैं। वहीं, वीरता और ऐतिहासिक गाथाओं पर आधारित पवांड़े और जागर देवताओं का आह्वान करने वाला संगीत यहां की आत्मा हैं। रम्माण उत्सव को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल किया गया है। गढ़वाल की लोकसंस्कृति बेहद समृ( और भावनात्मक है। यहां के लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक वाद्ययंत्र लोगों की पहचान हैं। बेडू पाको बारामासा जैसे लोकगीत पूरी दुनिया में प्रसि( हैं। पांडव नृत्य, चौफला और झुमैलो यहां की पारंपरिक लोककलाएं हैं। गढ़वाली भाषा और बोली क्षेत्र की सांस्कृतिक आत्मा मानी जाती है।

यहाँ मुख्य रूप से गढ़वाली भाषा बोली जाती है, जिसकी अपनी कई उप-बोलियां जैसे श्रीनगरी, राठी, सलाणी हैं। महिलाएं पारंपरिक रूप से घाघरा-आंगड़ी और पिछौड़ा पहनती हैं। गले में गलोबंद, छाती पर हंसुली और नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ टिहरी की नथ गढ़वाली संस्कृति की पहचान है। पहाड़ की कड़कड़ाती ठंड और मेहनत वाले जीवन के अनुकूल यहां का खाना बेहद पौष्टिक और जैविक होता है। कोदे की रोटी, झंगोरे की खीर, चौंसू, फानू और थिचवाणी,बिच्छू घास से बनाया जाने वाला यह साग आयरन और औषधीय गुणों से भरपूर होता है।

प्राचीन काल में यह क्षेत्र 52 छोटे-छोटे किलों में बंटा हुआ था। पंवार वंश के राजा अजय पाल ने 15वीं शताब्दी में इन सभी गढ़ों को जीतकर एक किया, जिसके बाद इस पूरे क्षेत्र का नाम गढ़वाल पड़ा। गढ़वाल के लोग अपनी वीरता के लिए जाने जाते हैं।

▶▶ शेष पृष्ठ 4 पर

# 8 जून से शुरू होगा मतदाता सत्यापन अभियान

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आज जिला सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) कार्यक्रम के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। इस कार्य में राजनीतिक दलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी दलों को सक्रिय सहयोग प्रदान करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 29 मई से 07 जून 2026 तक

**❑हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ना लक्ष्यः जिलाधिकारी**

तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य संपन्न किए जाएंगे। इस दौरान बीएलओ के साथ-साथ बीएलए को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। इसके उपरांत 8 जून से 7 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हुए गणना प्रपत्र (ऐनुमैरेशन फॉर्म) का वितरण एवं संग्रह किया जाएगा। प्रत्येक परिवार तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बीएलओ कम से कम तीन बार भ्रमण करेंगे। इसी अवधि में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य भी 7 जुलाई तक पूर्ण किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 14 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावे एवं आपत्तियां ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दर्ज की जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण 11 सितंबर 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 15 सितंबर 2026 को किया जाएगा।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करना तथा मृत, स्थानांतरित, अपात्र एवं डुप्लीकेट प्रविष्टियों को हटाकर मतदाता सूची को अधिक शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाना है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र अधिकारी, बीएसपी जिलाध्यक्ष रामनरेश, बीएलए-1 चम्पावत शंकर दत्त पाण्डेय, बीएलए-1 लोहाघाट सतीश चंद पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# ऑफिस में लगी है हल्की सी भूख तो चिप्स या कुकीज से बनाएं दूरी

आज-कल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर खुद का ख्याल रखना भूल जाते हैं। वो 1० से 12 घंटे ऑफिस में गुजार देते हैं और काम के दौरान खाने-पीने का बिल्कुल ध्यान भी नहीं रख पाते। ऐसे में गलत ईटिंग हैबिट्स ( श्वुड्डद्वठ्ठ ड्ड्रुड्डद्वह्लह्य) की वजह से शरीर में न्यूट्रिशन की कमी होने लग जाती है। गुजरते वक्त के साथ ये आदत आपको बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। तो आप जब आपको ऑफिस में भूख लगे तो चिप्स, कुकीज या कोल्डड्रिंक की बजाय ये हेल्दी फूड अपने ऑफिस रूटीन में शामिल करें। आप रहेंगे सेट और हल्दी और पूरा दिन आपका दिमाग रहेगा एक्टिव और फुल ऑफ एनर्जी।

बादाम

जब खाने के लिए हेल्दी ऑप्शंस की तलाश की जाती है, तो बादाम चार्ट में सबसे ऊपर आते हैं। हेल्दी फैट और एसेंशियल न्यूट्रिएंट्स से भरपूर, बादाम फोकस बढ़ाने में मदद करते हैं। बादाम में मौजूद प्रोटीन बिना थकान महसूस कराए भूख को कम करने में भी मदद करता है।

केले

एक केला हमारे शरीर को पूरे दिन एक्टिव और प्रोडक्टिव बने रहने के लिए एसेंशियल ग्लूकोज की पूरे दिन पूर्ती से करता है। केला फोकस रहने के लिए एनर्जी देता है और इसमें मौजूद कार्ब्स लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराते हैं।

सेब

कॉफी की तुलना में सेब एनर्जी का ज्यादा इफेक्टिव सोर्स है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सेब में शुगर भी बहुत कम होती है। सेब एनर्जी और प्रोटीन का आइडियल कॉम्बिनेशन है जो न केवल आपको सैटिस्फैक्शन देता है बल्कि आपको एक्टिव और शार्प बनाए रखने में भी मदद करता है।

मखाना

मखाना या फॉक्स नट्स एक आइडियल स्नैक हैं क्योंकि इनमें गुड फैट होता है और लो सेचुरेटेड फैट कम होता है। डाइबिटीज और हार्ट डिसीज से पीड़ित लोगों के लिए भी सुरक्षित, फॉक्स नट्स हाई पोटेशियम और कम सोडियम का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। मखाने स्वाद में बेहतरीन होते हैं और इसमें मसाले मिलाकर इसे और भी टेस्टी बनाया जा सकता है।

सोया नट्स

कुरकुरे और स्वादिष्ट, सोया नट्स सूखे सोयाबीन से बनाए जाते हैं। ये मंचीस फाइबर, प्लांट प्रोटीन और कई अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। सोया नट्स खा कर आसानी से वजन घटाया जा सकता है और दिल का ख्याल रखने के साथ-साथ हड्डियों को मजबूत करने में मदद मिलती है। इसकी मंचिंग के अलावा आप इसे क्रंच के लिए सलाद या फिर बेक किए हुए डिश में मिला सकते हैं।( आरएनएस)

# स्वास्थ्य एवं मस्तिष्कवर्धक फल है सेब

दुनियाभर में सेब के गुणों में बारे में जानकारी देने के लिए यूरोप के कई देशों में एक दिसंबर को ईट ए रेड एप्पल डे बडे जोरों और शोरों से मनाया जाता है। इसमें समारोह में आपको कई अलगअलग के सेब प्रदर्शित किए जाते हैं।

सेब फाइबर वाला फल है इसमें प्रोटीन, और विटामिन की संतुलित मात्रा होती है, लेकिन कैलोरी कम होती है। सेब का फल, रस, छिलका, मुरब्बा, आइसक्रीम, जैम, जैली आदि रूपों में सेवन करना स्वास्थ्य और सौंदर्य के लिए लाभकारी माना जाता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि सेब के नियमित सेवन से हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह अतिसार, पीलिया, मोटापा, दिमागी बीमारियां जैसी दूर होती हैं। आंखों के कमजोरी आने पर कुछ दिनों तक एक ताजा सेब की पुल्टिस आंखों पर बांधने से नेत्र की कमजोरी दूर हो जाती है। सेब के मोटे छिलके की चाय आमाशय एवं अतडियों के लिए अत्यंत लाभदायक है। टायफाइड में यह चाय बहुत उपयोगी है। इस चाय में नींबू का रस और शहद मिलाने से इसकी गुणवत्ता बढती है। सेब स्मरण शक्ति की दुर्बलता, बेहोशी तथा चिडचिडापन अर्थात् मस्तिष्क के रोगों को दूर करने की अचूक औषधि माना गया है। मस्तिष्क व दिल की कमजोरी और घबराहट दूर करने में सेब अचूक इलाज है।

## हिमालय की 'गोद' और नदियों का..

◀◀ पृष्ठ 3 का शेष

भारतीय सेना की प्रतिष्ठित गढ़वाल राइफल्स का मुख्यालय पौड़ी जिले के लैंसडाउन में है। प्रथम विश्व यु( के नायक गब्बर सिंह नेगी और दरवान सिंह नेगी यहीं के थे, जिन्हें विक्टोरिया क्रास मिला था।

गढ़वाल की एक बड़ी चुनौती पलायन भी है। रोजगार और शिक्षा की कमी के कारण कई गांव खाली हो रहे हैं। फिर भी अपनी संस्कृति, त्योहारों और प्रकृति से जुड़ाव के कारण लोग अपनी जड़ों से भावनात्मक रिश्ता बनाए हुए हैं। यहा बहती हुई गंगा की कलकल, केदारनाथ का डमरू, नंदा देवी की भव्यता और कड़कड़ाती ठंड में मडुए की रोटी के गरमा-गर्म स्वाद का अहसास है।

# गोर्खाली सुधार सभा ने मेधावी छात्रों को बांटी छात्रवृत्ति

हमारे प्रतिनिधि

हरिद्वार। गोर्खाली सुधार सभा हरिद्वार शाखा का चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन रानीपुर स्थित सामुदायिक केन्द्र में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष शमशेर बहादुर बम ने गत वर्ष के कार्यो व आय-व्यय का सम्पूर्ण लेखा जोखा का ब्यौरा उपस्थित सदस्यों के सम्मुख रखा। उन्होंने समाज व राष्ट्र की एकता के लिए समुदाय के सभी लोगों से एकजुट होने एवं अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनने का आह्वान किया।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष पदम सिंह थापा ने शाखा के कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की एवं भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग की आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गोर्खाली सुधार सभा देश के उन गिने-चुने पवित्र संस्थाओं में से एक है जो समाज हित में निःस्वार्थ सेवाभाव से सेवारत है। यह संस्था सम्पूर्ण भारतवर्ष में गोरखा समुदाय की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक है। गोरखा समुदाय का देश के विकास में हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमें राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में सशक्त होना होगा, तभी हमारा भविष्य उज्जवल होगा। उन्होंने समुदाय के सम्मुख अपनी संस्कृति व संस्कार के प्रति जागरूकता लाने के साथ ही युवा पीढ़ी को जाग्रत करने का भी आह्वान किया।

श्री नारायणी निवास आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी योगानंद सरस्वती महाराज ने गोर्खाली सुधार सभा द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि सभा अपने उद्देश्यों की पूर्ति की ओर अग्रसर है और हमारा साधुवाद है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं को भी सरकार के साथ मिलकर जनहित के सामाजिक कार्यों में सहयोग करना चाहिए, हम सबके सहयोग से ही राष्ट्र का विकास होगा।

महामंत्री गोपाल क्षेत्री ने कहा कि सभा छात्रें व युवाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये समय-समय पर सम्मानित करती रहती है इसके लिये क्षेत्रवासियों को संबंधित शाखा अध्यक्ष व पदाधिकारियों से संपर्क रखना होगा। संस्था द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक कार्यों महिला सशक्तिकरण हेतु निःशुल्क सिलाई-कढाई प्रशिक्षण, रक्तदान शिविर, युवाओं को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, मेधावी छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति, जरूरतमंद असहायों को आर्थिक सहायता, गरीब कन्याओं के विवाह हेतु आर्थिक सहायता, बेहद गरीब परिवार में दाहसंस्कार हेतु आर्थिक सहायता से अवगत कराया।

डा-हर्षवर्द्धन शाह ने स्वस्थ्य रहने के लिये अपनी दिनचर्या व खानपान में सुधार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम संतुलित भोजन के द्वारा अपने को स्वस्थ रख सकते हैं, इसलिये हमें अपने भोजन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अभिषेक शाही प्रदेश संयोजक भाजपा (गोरखा प्रकोष्ठ) ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रें को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति व प्रगति करते रहे। उन्होंने गोरखा समुदाय द्वारा राष्ट्रहित में दिये गये योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। मातृ-भूमि की रक्षा के लिये जब भी जरूरत पड़ी गोरखा सैनिकों ने प्रथम पंक्ति में खड़े होकर अदम्य साहस का परिचय देते हुये दुश्मनों को सबक सिखाया है। हमें अपनी समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना करने के लिये एक होना होगा।

डा-पदम प्रसाद सुवेदी ने गोरखा समुदाय से अपनी संस्कृति व संस्कार के प्रति प्रेम जागरूकता बनाये रखने की अपील की। उन्होंने समुदाय को एकजुट होने व एकता बनाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर सुप्रिया ओझा, ऐश्वर्या पोखरेल, राघव पोखरेल, विनायक शर्मा, अक्षरा नेवार, हिमांशु शर्मा, रूची शर्मा, प्रशांत शर्मा, रितिका शर्मा, कविता डांगी, वंदना डांगी, शगुन राणा, वाणी, राखी, प्राची, एकांश, अमृता, समृद्धि, हरि हर्ष आले, सानिया ठाकुर , ऋतांजली रेग्मी, प्रतिज्ञा रेग्मी, कृतज्ञ क्षेत्री, तान्या पाण्डेय, माही थापा, वैष्णवी थापा, दिक्षा आले, लक्ष्मी पंत, कमल पंत और चिराग को छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। कक्षा 9 से 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लक्ष्मी पंत, तेजस बम, रितिका शर्मा, टिना भूषाल, प्रतिज्ञा रेग्मी, कु- देविन, स्मृद्धि घिमिरे, राखी, अक्षरा नेवार, हिमांशु शर्मा, अभय ज्ञवाली, तान्या पाण्डे, वारदायनी, आराधना सुवेदी, हरीनाक्षी थापा और ऋतांजली रेग्मी को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पदम बहादुर बम (वृद्धजन सम्मान), हरकिशन थापा (देशभक्त सम्मान), चन्द्र गुरूंग (प्रेरणादायी सम्मान), गणेश बहादुर थापा

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

## शब्द सामर्थ्य -045

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

**ऊपर से नीचे**

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

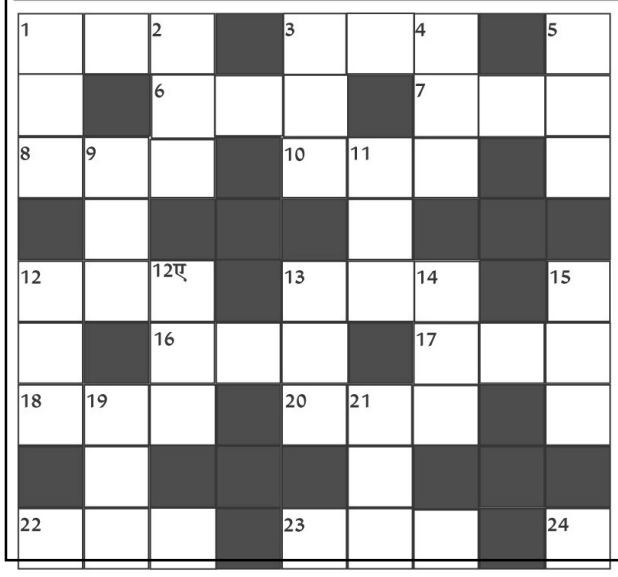



### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 44 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | सं | द | | सिं | हा | स | न | |
| ख | | म | ज | दू | र | | का | म |
| वा | द | क | | र | | सं | ब | ल |
| ड़ | | ल | ज्जा | | म | स्का | | य |
| | बा | | | बि | हा | र | | |
| सु | धा | क | र | | न | | | औ |
| रं | | म | | कि | ता | ब | | स |
| ग | | अ | र | सा | | हु | ज्ज | त |
| | श | क्ल | | न | मि | त | | न |

# श्रीदेव सुमन विवि का आवासीय परिसर का काम अंतिम चरण में

नई टिहरी(आरएनएस)। वर्ष 2012 में स्थापना के बाद से बुनियादी और आवासीय सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के मुख्यालय बादशाहीथौल में अब अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। लंबे समय से लंबित आवासीय सुविधा का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने की ओर है। विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन आवासीय भवनों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका हैं। बादशाहीथौल में विश्वविद्यालय स्थापना के बाद से अब तक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी थी। इसका असर सीधे तौर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों पर महसूस किया जाता रहा। अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी नई टिहरी, चंबा और आसपास के क्षेत्रों में किराए के भवनों में रहने को मजबूर थे। कई कर्मचारियों को रोजाना लंबी दूरी तय कर विश्वविद्यालय पहुंचना पड़ता था।

लंबे समय बाद कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी के लिए बीते माह आवासीय भवन तैयार होकर आवंटित किए जा चुके हैं। इसके अलावा कुछ अन्य आवास भी बनकर तैयार हो गए है, जिनका आवंटन आगामी जून माह तक किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इनमें उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, उप परीक्षा नियंत्रक, सहायक परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य कर्मचारियों को शामिल किया जा सकता है। विवि प्रशासन की ओर से आवास आवंटन प्रक्रिया के लिए समिति का गठन भी कर दिया गया है। समिति पात्रता और आवश्यकता के आधार पर आवास आवंटन की प्रक्रिया तय करेगी, ताकि कर्मचारियों और अधिकारियों को प्राथमिकता के अनुरूप सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी का कहना है कि विवि परिसर में आवासीय भवनों का निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। आवास आवंटन के लिए समिति का गठन भी किया जा चुका है। अधिकारियों और कर्मचारियों को परिसर में आवासीय सुविधा मिलने से विश्वविद्यालय के कार्यों के संचालन में भी सुविधा मिलेगी।

# संतरे के छिलकों का इन तरीकों से करें इस्तेमाल, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

आमतौर पर लोग संतरे के छिलके को फेंक देते हैं, लेकिन यह त्वचा की देखभाल करने और घर को ताजगी देने के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के छिलकों में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनसे आप संतरे के छिलकों का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा और घर को ताजगी दे सकते हैं।

संतरे के छिलके का पाउडर चेहरे की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को धूप में सुखाकर पीस लें और फिर उसमें थोड़ा दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा साफ और ताजगी भरा महसूस होगा। यह उपाय त्वचा को निखारने में भी मदद करता है।

संतरे के छिलके का स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए संतरे के छिलकों को पीसकर उसमें थोड़ा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने हाथों, पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों पर हल्के हाथों से मलें और फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब आपकी त्वचा को मुलायम बनाने के साथ-साथ मृत कोशिकाओं को भी हटा सकता है। संतरे के छिलके का पानी बनाकर उसका उपयोग घर की सफाई के लिए किया जा सकता है। इसके लिए कुछ संतरे के छिलकों को पानी में उबाल लें और जब पानी ठंडा हो जाए तो उसे स्प्रे बोतल में भर लें। इस मिश्रण का छिड़काव करने से घर की सतहें साफ होंगी और ताजगी भी मिलेगी। यह तरीका फर्श, टेबल, काउंटरटॉप आदि को साफ करने के लिए बहुत ही प्रभावी है। संतरे के छिलकों की खुशबू तनाव कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप कुछ सूखे हुए संतरे के छिलकों को पानी में उबालें और इस पानी को कमरे में फैलाएं या फिर नहाते समय इस पानी का इस्तेमाल करें। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इस प्रकार संतरे के छिलके कई तरीकों से हमारे जीवन में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

# गोर्खाली सुधार सभा ने मेधावी छात्रों को...

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

(सक्रिय सदस्य) एवं श्रीमति बोहरा (मातृशक्ति सम्मान) के साथ ही खेलकूद के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि के लिये निशांत खड़का(फूटबाल), समृद्धि घिमिरे (फूटबाल) और शगुना राणा (कबड्डी), को सम्मानित किया गया।

सचिव लोकनाथ सुवेदी ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

शाखा के वार्षिक अधिवेशन में श्रीमती पदमा पाण्डेय अध्यक्ष महिला कल्याण समिति, टीकाराम थापा शाखा अध्यक्ष रायवाला, पदम बहादुर बम, आशीष थापा, प्रभात घिमिरे, विजय सिंह, दीपक बिष्ट, भगवान जोशी, गणेश बहादुर थापा, पुष्पराज पाण्डेय, जय बहादुर थापा, कु-उमा गुरूंग, दीपक बिष्ट, नारायण घिमिरे, पुष्प उपाध्याय, शेर बहादुर बिष्ट, चन्द्र बहादुर थापा, विजय शर्मा, वेद प्रकाश थापा, कपलि थापा, रामेश्वर अर्याल, डा-डम्बर प्रसाद पौडेल, विजय शर्मा, चन्द्र बहादुर, भीम बहादुर बम, खेम नेवार, जीत बहादुर डांगी, कमला सुवेदी, तंजना ठाकुर, गीता ठाकुर, डा-ऊषा बिष्ट, शारदा सुवेदी, ज्योति शर्मा सहित बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

# पिंक अनारकली सूट और बालों में गजरा, अनन्या पांडे ने दिखाई दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो पिंक कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैं। उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है। उन्होंने हाल ही में फैंस के बीच अपना ट्रेडिशनल लुक शेयर किया, जिसमें वो पेस्टल पिंक कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं। इस सूट पर गोल्डन बॉर्डर का बारीक काम उनके लुक को रिच और एलीगेंट टच दे रहा है। सॉफ्ट, एलीगेंट और ट्रेडिशनल वाइब से भरपूर अनन्या पांडे का यह लुक बेहद ग्रेसफुल लग रहा है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अनन्या पांडे ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का और नेचुरल मेकअप किया है। उन्होंने अपने बालों को स्लीक बन में बांधा है, जिसे पिंक फूलों से सजाया गया है, जो उनके पूरे लुक को और भी एलीगेंट बना रहा है। अनन्या पांडे ने इस लुक के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स कैरी किए, जो आकर्षक होने के बावजूद ओवरडोन नहीं लगे और पूरे लुक को खूबसूरती से बैलेंस किया। कुल मिलाकर, अनन्या का ये अंदाज मिनिमल एलिगेंस और ट्रेडिशनल चार्म का परफेक्ट कॉम्बिनेशन नजर आया। अनन्या इस ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है। उनके इस पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं। अनन्या पांडे ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कितने चांद, स्पॉट किए आपने? बता दें कि अनन्या पांडे की फिल्म चांद मेरा दिल के प्रोड्यूसर करण जौहर हैं। वहीं, विवेक सोनी इस फिल्म को डायरेक्ट किया है।

# उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं!

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं।

उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।

सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है। अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं।

मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।

उर्वशी ने कहा, मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।

# मणिकर्णिका घाट पर बंद है चेजिंग रूम

उत्तरकाशी(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के चरम पर पहुंचते ही उत्तरकाशी के मणिकर्णिका घाट पर व्यवस्थाओं की पोल खुलने लगी है। घाट पर बने चेजिंग रूम के बंद होने से तीर्थयात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंगा स्नान के लिए दूर-दूर से पहुंच रहे श्रद्धालुओं को कपड़े बदलने और सामान सुरक्षित रखने के लिए उचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द ही चेजिंग रूम खुलवाने की मांग की। चारधाम यात्रा के दौरान हर दिन बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मणिकर्णिका घाट पहुंच रहे हैं लेकिन चेजिंग रूम बंद होने के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ रही है। यात्रियों को खुले में कपड़े बदलने को मजबूर होना पड़ रहा है। इससे असुविधा के साथ-साथ सुरक्षा और गोपनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। तीर्थयात्रियों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि चारधाम यात्रा जैसे महत्वपूर्ण समय में मूलभूत सुविधाओं का बंद होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं, स्थानीय निवासी राजेश प्रसाद, रमेश लाल, माधव प्रसाद, राजेंद्र सिंह का कहना है कि प्रशासन को यात्रा सीजन शुरू होने से पहले ही सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी चाहिए थी लेकिन अब तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तीर्थयात्रियों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मणिकर्णिका घाट पर चेजिंग रूम को जल्द चालू किया जाए।

# पुरानी पेंशन बहाली के लिए निकाली हुंकार रैली

चमोली(आरएनएस)। पुरानी पेंशन बहाली की मांग के लिए लेकर शिक्षकों, कर्मचारियों ने ढोल दमाऊं के साथ हुंकार रैली निकाली और प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों ने जल्द पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा यदि जल्द पुरानी पेंशन लागू नहीं की गई तो तो पैनडाउन सहित कार्यबहिष्कार किया जाएगा। साथ ही आगामी विधानसभा में ओपीएस को देखकर ही वोट करेंगे। रविवार को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की ओर से ढोल दमाऊं के साथ उमा महेश्वर आश्रम के पास से होते हुए पंचपुलिया से मुख्य बाजार तक हुंकार रैली निकाली। रैली में पूरे प्रदेश से भारी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी पहुंचे। मुख्य बाजार में आयोजित जनसभा में पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि 1 अक्तूबर 2005 के बाद उत्तराखंड में सरकार ने एनपीएस लागू किया। फिर 1 अप्रैल 2025 से जो यूपीएस लागू करने जा रही थी लेकिन पूरे देश में आंदोलन के कारण यूपीएस लागू नहीं हो पाया। हमारी सिर्फ एक मांग है कि ओपीएस दे दी जाए। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री पूरण फर्स्वाण ने कहा कि सरकार अपनी हठधर्मिता पर टिकी है। सरकार के विधायक और सांसद पुरानी पेंशन का लाभ ले रहे हैं लेकिन सरकार हमारे बुढ़ापा का सहारा छीनने का काम कर रही है।

## सू- दोकू क्र.045

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| 3 | | | 4 | | | 2 | | |
| | | | | | | | 6 | |
| 6 | | | | | 4 | | | |
| | 9 | | 5 | | | 6 | | 1 |
| | | | | | | | | |
| 4 | | 3 | | | 9 | | | 2 |
| | 8 | | 2 | | | | 7 | |
| 1 | | 2 | | 4 | | 9 | | 6 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.44 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 7 | 6 | 9 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | 3 | 9 | 2 | 8 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 4 | 5 | 2 | 3 | 7 | 6 | 9 | 1 | 8 |
| 2 | 8 | 5 | 4 | 6 | 7 | 1 | 9 | 3 |
| 3 | 1 | 7 | 8 | 9 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 6 | 9 | 4 | 1 | 3 | 5 | 7 | 8 | 2 |
| 9 | 4 | 1 | 6 | 2 | 8 | 3 | 7 | 5 |
| 7 | 2 | 8 | 5 | 1 | 3 | 6 | 4 | 9 |
| 5 | 6 | 3 | 7 | 4 | 9 | 8 | 2 | 1 |

# नए जलस्रोत की तलाश में जुटा जल संस्थान

नई टिहरी(आरएनएस)। गर्मी बढ़ने के साथ लंबगांव नगर क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। करीब पांच हजार की आबादी वाले नगर क्षेत्र में इन दिनों पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। पानी की सीमित आपूर्ति होने से दैनिक जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बनता जा रहा है। हर साल गर्मी में पेयजल संकट से लोगों को जूझना पड़ता है।

नगर वासियों को पानी के संकट से राहत दिलाने के लिए जल संस्थान ने नए प्राकृतिक जलस्रोत की तलाश शुरू कर दी है। जल संस्थान के अवर अभियंता राजवीर थलवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार और विभागीय कर्मचारियों की टीम ने पट्टी गाजणा क्षेत्र के हुल्डियाण, भैंत और न्यूगांव पहुंचकर प्राकृतिक जलस्रोतों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पानी की उपलब्धता, स्रोत की क्षमता और लंबगांव तक आपूर्ति की संभावनाओं का आकलन किया गया।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार लंबगांव नगर क्षेत्र के लिए उपयुक्त प्राकृतिक जलस्रोत हुल्डियाण क्षेत्र में चिह्नित कर लिया गया है। अब इस स्रोत को लंबगांव पेयजल लाइन से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए जल्द कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई शुरू करने की बात कही जा रही है। जल संस्थान के अवर अभियंता थलवाल ने बताया कि वर्तमान में लंबगांव नगर क्षेत्र को दो व्यवस्थाओं के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

पटूड़ी पेयजल पंपिंग योजना से आपूर्ति हो रही है जबकि दूसरी ओर स्रोत की लाइन से पानी पहुंचाया जाता है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की उपलब्धता घटने लगी है जिससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि जिस स्रोत से पिछले करीब दो दशकों से लंबगांव नगर क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है वह ग्रामीणों का निजी स्रोत है। ग्रामीण इसी पानी का उपयोग धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों में करते हैं। नगरवासियों और जलस्रोत स्वामियों के बीच पूर्व में हुए अनुबंध के अनुसार रोपाई के समय ग्रामीण नगर क्षेत्र को पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं करा पाते हैं जिससे हर वर्ष गर्मी के मौसम में लंबगांव में पेयजल संकट गहरा जाता है।

# अलकनंदा का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे चल रहे निर्माण कार्य रोके

चमोली(आरएनएस)। अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद मारवाड़ी पुल से विष्णुप्रयाग तक नदी किनारे निर्मित हो रही सुरक्षा दीवार के कार्य को फिलहाल रोक दिया गया है। यहां लगभग सौ करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

बरसात के बाद जब नदी का जलस्तर कम हो जाएगा तब उसके बाद फिर से सुरक्षा दीवार का निर्माण शुरू किया जाएगा। इधर मारवाड़ी पुल के पास चल रहा स्लोप स्टेबलाइजेशन का कार्य अभी तक जारी है।गर्मी के कारण उच्च हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने के कारण अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य रोकने के आदेश कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग को दिए हैं। उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि किनारे बनने वाली कुल 614 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। नदी का जलस्तर अब निर्माण स्थल तक पहुंच रहा है। इसलिए मजदूरों और तकनीकी टीम की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए काम को रोका गया है। बरसात के बाद फिर से सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। मारवाड़ी पुल के ऊपरी हिस्सों में कार्य जारी है।

# रानीखेत में पहली बार रोडवेज बसों के लिए लागू हुई वन-वे व्यवस्था

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पर्यटन सीजन के दौरान बढ़ते यातायात दबाव और जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए रानीखेत नगर में पहली बार रोडवेज बसों के संचालन हेतु वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में लागू की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यटन सीजन के दौरान यातायात को सुचारू बनाए रखना और जाम की समस्या को कम करना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रानीखेत में लंबे समय से स्थानीय लोग रोडवेज बसों के लिए वन-वे व्यवस्था लागू करने की मांग कर रहे थे। इस संबंध में जनता दरबार में भी मांग उठाई गई थी। जनभावनाओं और यातायात व्यवस्था की जरूरत को देखते हुए एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर इस व्यवस्था को लागू कराया। रानीखेत पुलिस ने रोडवेज विभाग के साथ मिलकर आवश्यक पुलिस ड्यूटी लगाई है और बसों का संचालन वन-वे रूट से कराया जा रहा है।

# आईएफएडी कंट्री डायरेक्टर ने परखी रीप परियोजना की प्रगति

हरिद्वार(आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के कंट्री डायरेक्टर जेम्स मार्क शील्ड्स ने शनिवार को हरिद्वार पहुंचकर ग्रामोत्थान रीप परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने महिलाओं की ओर से संचालित इकाइयों के कार्यों की सराहना की। कहा कि यह परियोजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कंट्री डायरेक्टर के साथ परियोजना निदेशक झरना कामठन, आईएफएडी की जनरल सलाहकार निशिधा, मैनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म के टीम लीडर आलोक जैन और कृषि विशेषज्ञ रविंद्र कुकरेती भी मौजूद रहे। टीम ने बहादराबाद में रीप परियोजना के तहत संचालित 'वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट' यूनिट का निरीक्षण किया। यहां मंदिरों से एकत्रित फूलों का प्रसंस्करण कर विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। कंट्री डायरेक्टर ने महिलाओं की ओर से मशीनों के संचालन, उत्पादन और पैकेजिंग कार्य का अवलोकन किया और उनसे संवाद कर आय सृजन और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली।

# अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष टीम ने रीप परियोजना की प्रगति का लिया जायजा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। ग्राम्य विकास समिति के अंतर्गत संचालित ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की प्रगति का आकलन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष की टीम ने जिले में विभिन्न परियोजना गतिविधियों का स्थलीय निरीक्षण और मध्यावधि समीक्षा की।

सहायक प्रबंधक रीप संदीप सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न इकाइयों का दौरा कर व्यवस्थाओं, संचालन और लाभार्थियों को मिल रहे लाभों का जायजा लिया। निरीक्षण कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष की टीम सदस्य आयुरजाना, पुंतसागदावा और विनय तुली के साथ परियोजना के उप आयुक्त नरेश कुमार तथा अनुश्रवण एवं मूल्यांकन प्रबंधक विनय गुणवंत शामिल रहे।

टीम ने क्वारब के समीप चौसली में स्थापित वे साइड इट्रीज के अंतर्गत गायत्री स्वयं सहायता समूह, ग्राम भल्यूड़ा में विकास उत्पादक समूह के सामुदायिक कृषि उद्यम, डीनापानी हवालबाग में स्थापित हिमाद्री हैंडलूम, लमगड़ा विकासखंड में संचालित जेंट्स सैलून और सिलाई इकाई का निरीक्षण करते हुए टीम ने महिलाओं के कार्यों की प्रशंसा की।

सिलाई इकाई संचालक किरन बिष्ट ने बताया कि समूह की महिलाएं स्कूल यूनिफॉर्म तैयार कर स्वरोजगार से जुड़ रही हैं। टीम ने मशरूम एवं एग्रो प्रोसेसिंग उत्पाद इकाइयों और महिलाओं द्वारा संचालित पिंक ई-रिक्शा का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह भी जाना गया कि परियोजना के माध्यम से महिलाओं और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। निरीक्षण के बाद विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वित्तीय प्रबंधन, स्वरोजगार कार्यक्रमों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों पर चर्चा हुई। महिला सदस्यों ने बताया कि परियोजना से जुड़ने के बाद उनकी आय और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक हरीश चंद्र तिवारी, जिला परियोजना प्रबंधक नैनीताल राजेश मठपाल, सहायक प्रबंधक, रीप तथा संबंधित विकासखंडों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

## दुष्कर्म मामले में रची साजिश का एक और किरदार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। कोतवाली चम्पावत में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 16/2026 की जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ एवं अन्य तथ्यों के आधार पर साजिश में शामिल आरोपी राहुल सिंह रावत का नाम प्रकाश में आया था।पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव के निर्देशन में गठित पुलिस टीम द्वारा फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा था। उक्त क्रम में बीती रात घटना में फरार चल रहे आरोपी राहुल सिंह रावत पुत्र प्रकाश सिंह रावत निवासी ग्राम सल्ली, कोतवाली चम्पावत, जनपद चम्पावत को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया जहां से उसे न्यायायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

## बंद मकान का ताला तोड़ लाखो की चोरी

हमारे संवाददाता

देहरादून। बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों द्वारा लाखों की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी है। मामला सहसपुर थाना क्षेत्रांर्तगत बालाजी कालोनी शंकरपुर हुकूमतपुर का है। जानकारी के अनुसार यहां रहने वाले राजा सिंह पुत्र पंचा सिंह सपरिवार 23 मई को रिश्तेदारी में चले गये थे। जबकि उनका छोटा पुत्र 24 मई को गया। बताया जा रहा है कि जब 25 मई को राजा सिंह अपना घर पहुंचे तो वहां दरवाजे का ताला टूटा देख वह हैरान हो गये। अन्दर जाकर देखने पर सारा सामान अस्त-व्यस्त मिला। जबकि कमरे में रखी आलमारियों पर भी चोरों ने हाथ साफ कर दिया था। राजा सिंह द्वारा घटना की सूचना तत्काल सहसपुर पुलिस को दी गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित राजा सिंह का कहना है कि चोर घर से करीब 10 लाख के जेवरात व नगदी उड़ा ले गये है। बहरहाल पुलिस ने राजा सिंह की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

## कार की चपेट में आकर महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेशम माजरी निवासी महेन्द्र सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां बाजार से घर की तरफ आ रही थी। जब वह सडक पार कर रही थी तभी तेज गति से आ रही कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## धोखाधडी में मां-बेटे पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बिना बताये मकान खाली कर एक लाख रूपये की धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने किरायेदार मां बेटे पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपीसीएल कर्मचारी आवास निवासी राखी बनियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चैन्नई निवासी पुष्पा देवी व उसका बेटा गोपाल अग्रवाल किराये पर रहते थे। आज उसने देखा कि वह उसका मकान खाली करके चले गये। उसने बताया कि उसको बताये बिना उन्होंने मकान खाली कर दिया और उसके सात माह का किराया व एक लाख रूपये उधार के भी वापस नहीं किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने बालावाला के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 58 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम ज्ञान सिंह पुत्र नरसिंह निवासी बालावाला बताया।

# गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करवाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। गैरसैण को स्थाई राजधानी घोषित करने की मांग को लेकर चल रहे धरने के 80वें दिन मनमोहन शर्मा ने मौन व्रत शुरू कर दिया।

आज यहां उत्तराखंड की जनभावनाओं और पहाड़ों के विकास के प्रतीक गैरसैंण (भराड़ीसैंण) को राज्य की पूर्णकालिक स्थाई राजधानी घोषित कराने की मांग को लेकर आंदोलन एक बार फिर उग्र रूप ले चुका है। प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी मनमोहन शर्मा जी पिछले 80 दिनों से लगातार अनशन पर बैठे हुए हैं। अपनी मांगों को लेकर सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ आक्रोश जताते हुए अब उन्होंने एक बड़ा कदम उठाया है। मनमोहन शर्मा आज मौन व्रत पर बैठे हैं। राजधानी देहरादून के एकता विहार स्थित लेन नंबर 15 के धरना स्थल पर मनमोहन शर्मा ने टेंट लगाकर अपना मोर्चा संभाला हुआ है। कड़कड़ाती धूप और मौसम के बदलते मिजाज के बीच भी उनका हौसला डिगा नहीं है। उनके मौन व्रत पर जाने की खबर के बाद से ही धरना स्थल पर अन्य राज्य

❑अनशनकारी मनमोहन शर्मा का मौन व्रत शुरू

आंदोलनकारियों और स्थानीय सामाजिक संगठनों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। स्थाई राजधानी का दर्जा: गैरसैंण (भराड़ीसैंण) को केवल ग्रीष्मकालीन राजधानी न रखकर, इसे उत्तराखंड की एकमात्र पूर्णकालिक स्थाई राजधानी घोषित किया जाए। आंदोलनकारियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक राजधानी पूर्ण रूप से पहाड़ों में स्थापित नहीं होगी, तब तक राज्य के दूर-दराज के पहाड़ी क्षेत्रों का वास्तविक विकास और पलायन की समस्या का समाधान संभव नहीं है। सरकारों की वादाखिलाफी के खिलाफ गुस्सा: राज्य गठन के इतने वर्षों बाद भी किसी भी सरकार द्वारा इस पर ठोस फैसला न लेने के कारण आंदोलनकारियों में भारी नाराजगी है। धरना स्थल से जुड़े सहयोगियों का कहना है कि मनमोहन शर्मा पिछले 80 दिनों से लगातार क्रमिक अनशन के जरिए सरकार तक अपनी आवाज पहुँचाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन शासन-प्रशासन के कानों पर जूं न रेंगने के कारण, अब उन्होंने मौन व्रत धारण कर सरकार की अंतरात्मा को जगाने का फैसला किया है। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैरसैंण को लेकर कोई ऐतिहासिक और स्थाई निर्णय नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन पूरे प्रदेश में उग्र रूप धारण कर लेगा। इस बड़े आंदोलन और मनमोहन शर्मा के स्वास्थ्य से जुड़ी हर अपडेट पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।

# दून पुस्तकालय में अध्ययनरत युवाओं को वैदिक गणित पर मिले महत्वपूर्ण सूत्र'

संवाददाता

देहरादून। प्रसिद्ध गणित विशेषज्ञ डॉ. योगेश चांदना ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं व अध्ययनरत छात्रों को वैदिक गणित की उपयोगी एवं सरल तकनीकों से परिचित कराया।

आज यहां दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र, देहरादून में आयोजित "वैदिक गणित" विषयक विशेष व्याख्यान में प्रसिद्ध गणित विशेषज्ञ डॉ. योगेश चांदना ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं व अध्ययनरत छात्रों को वैदिक गणित की उपयोगी एवं सरल तकनीकों से परिचित कराया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बैंक की व अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अपने व्याख्यान में डॉ. चांदना ने बताया कि वैदिक गणित केवल गणनाओं को सरल और तीव्र बनाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और तार्किक क्षमता को भी विकसित करता है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में समय प्रबंधन और त्वरित समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सूत्र एवं व्यावहारिक तकनीकें साझा कीं। उन्होंने युवाओं से कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मबल, एकाग्रता, निरंतर अभ्यास, नई जानकारियाँ प्राप्त करने की जिज्ञासा तथा विषय के प्रति रुचि अत्यंत आवश्यक है। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. चांदना ने सहज और प्रेरक ढंग से उत्तर दिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डी.के. पाण्डे के स्वागत एवं परिचय वक्तव्य से हुआ। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय युवाओं के बौद्धिक विकास और मार्गदर्शन हेतु निरंतर ऐसे उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस अवसर पर डॉ. पंकज नैथानी, चन्द्रशेखर तिवारी, कर्नल डिमरी, डॉ. लालता प्रसाद, सुंदर सिंह विष्ट सहित अनेक शिक्षाविद, साहित्यप्रेमी एवं युवा छात्र उपस्थित रहे। दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र ने भविष्य में भी युवाओं के लिए इस प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

# क्षेत्राधिकारी टिहरी ने थाना लम्बगांव का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया

संवाददाता

टिहरी। क्षेत्राधिकारी टिहरी चंद्रमोहन सिंह ने लम्बगांव थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी टिहरी चंदमोहन सिंह द्वारा थाना लम्बगांव का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, अभिलेखों, शस्त्रागार, मालखाना, आपदा उपकरणों एवं थाना परिसर का गहनता से निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाना लम्बगांव में उपलब्ध आर्म्स एवं एम्यूनिशन का भौतिक सत्यापन किया गया तथा पुलिस कार्मिकों को शस्त्रों की सुरक्षित हैंडलिंग एवं प्रभावी उपयोग के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही शस्त्रों के रख-रखाव एवं आपात परिस्थितियों में त्वरित उपयोग हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। थाना क्षेत्र आपदा की दृष्टि से संवेदनशील होने के कारण उपलब्ध आपदा राहत एवं बचाव उपकरणों का निरीक्षण किया गया। क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा दैवीय आपदा, भूस्खलन एवं अन्य आपात परिस्थितियों में उपकरणों के प्रभावी उपयोग हेतु पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान माल मुकदमाती, मुकदमाती वाहनों एवं मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज वाहनों का निरीक्षण कर उनके उचित रख-रखाव एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों, रजिस्टरों, लंबित विवेचनाओं एवं प्राप्त प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए। साथ ही कैश बुक एवं विविध निधि कैश बुक का निरीक्षण किया गया, जिसमें अभिलेख सही पाए गए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, भोजनालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला सहायता डेस्क एवं शिशु सहायता पटल की साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा स्वच्छ एवं अनुशासित कार्य वातावरण बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। तत्पश्चात थाना पर नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मेलन आयोजित कर उनकी व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उनके निराकरण का आश्वासन दिया गया। साथ ही सभी कार्मिकों को जनसामान्य के साथ मधुर व्यवहार रखते हुए संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ ड्यूटी निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना क्षेत्र के व्यापार मंडल, टैक्सी यूनियन एवं स्थानीय जनमानस के साथ गोष्ठी आयोजित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया। क्षेत्राधिकारी महोदय द्वारा सभी से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने, यातायात नियमों का पालन करने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

# मुख्यमंत्री ने 'अपनापन नरेन्द्र मोदी संग मेरे अनुभव' पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

संवाददाता

दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सद्य: प्रकाशित पुस्तक 'अपनापन नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सद्य: प्रकाशित पुस्तक 'अपनापन नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह गरिमामयी समारोह भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू तथा पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। 'अपनापन' एक प्रेरणादायी कृति है, जिसमें शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न भूमिकाओं में प्राप्त अनुभवों का सजीव वर्णन किया गया है। पुस्तक में नेतृत्व, सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र-निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विचारों को सरल एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री ने पुस्तक के प्रकाशन पर शिवराज सिंह चौहान को शुभकामनाएं दीं तथा इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, भारत सरकार के अनेक मंत्री, विधायक, सांसद, समाजसेवी, लेखक-पत्रकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

## घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। नागाधेर निवासी विशन ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## मेजर अखिलेश भट्ट के नेतृत्व में उत्तराखंड के वीरों ने एवरेस्ट पर लहराया तिरंगा

संवाददाता

देहरादून। मेजर अखिलेश भट्ट के नेतृत्व में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के 16 सदस्य दल ने एवरेस्ट पर तिरंगा लहरा दिया। उत्तराखंड ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि हौसले बुलंद हों तो कोई शिखर ऊंचा नहीं। देहरादून निवासी मेजर अखिलेश भट्ट के नेतृत्व में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड की 16 सदस्यीय टीम ने 23 मई 2026 को प्रात: 3.26 बजे नेपाल समय पर माउंट एवरेस्ट 8,848.86 मीटर पर सफल आरोहण कर इतिहास रच दिया। काठमांडू से मात्र 20 दिनों में शिखर तक पहुंचना एवरेस्ट अभियानों में एक दुर्लभ रिकॉर्ड है।

इस अभियान का नेतृत्व इंद्रापुर, देहरादून निवासी मेजर अखिलेश भट्ट ने किया, जो मूलत: घनसाली, टिहरी गढ़वाल के रहने वाले हैं और दिनेश प्रसाद भट्ट के पुत्र हैं। शिखर पर पहुंचने वाले उत्तराखंड के अन्य जवानों में चमोली के ग्राम सेरा निवासी नायक राहुल सिंह, कुंवर सिंह के पुत्र, अल्मोड़ा के ग्राम ल्वेशाल निवासी नायक पंकज सिंह दोसाद, केशर सिंह दोसाद के पुत्र, तथा उत्तरकाशी के कमांडो गौतम बुटोला शामिल रहे। यह सफलता एक दिन की नहीं है। अक्टूबर 2025 में मेजर अखिलेश भट्ट के नेतृत्व में ही टीम ने गढ़वाल हिमालय के माउंट सतोपंथ 7075 मीटर का आरोहण किया। इसके बाद लाहौल-स्पीति में डोगरा स्काउट्स के साथ चरम शीतकालीन बर्फ प्रशिक्षण लिया और माउंट कानामो 5975 मीटर फतह किया। मेजर अखिलेश भट्ट और उत्तराखंड के जवानों ने विपरीत हालात में जिस तरह टीम को शिखर तक पहुंचाया, वह हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। उत्तराखंड सरकार और देशवासी इन वीर सपूतों को सलाम करते हैं जिन्होंने विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा और देवभूमि का स्वाभिमान दोनों लहराए।

## 28 मई को रहेगीं बकरीद की छुट्टी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने ईद-उल-जुहा (बकरीद) के सार्वजनिक अवकाश की तारीख में बड़ा बदलाव किया है। शासन द्वारा जारी संशोधित अधि सूचना के अनुसार अब राज्य में 27 मई 2026 की जगह 28 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। उत्तराखंड शासन के प्रशासन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पहले जारी अधिसूचना के अनुसार बकरीद के लिए 27 मई 2026 को अवकाश घोषित किया गया था, लेकिन सम्यक विचार के बाद अब अवकाश की तारीख बदलकर 28 मई 2026 कर दी गई है।

अवकाश

शासन ने निगोशिएबुल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881 की धारा 25 के तहत राज्य के सभी बैंक, कोषागार और उप-कोषागारों में भी 28 मई को अवकाश घोषित किया है। यानी इस दिन सरकारी दफ्तरों के साथ-साथ बैंकिंग सेवाएं भी प्रभावित रहेंगी। इस संबंध में शासन ने उत्तराखंड शासन के सभी प्रमुख सचिवों, जिलाधिकारियों, विभागाध्यक्षों, पुलिस महानिदेशक और रिजर्व बैंक समेत विभिन्न विभागों को आदेश की प्रतिलिपि भेज दी गयी है।

## पोक्सो मामले में फरार आरोपी दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पोक्सो मामले में दो माह से फरार चल रहे आरोपी को एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली काठगोदाम में पोक्सो एक्ट में नामजद आरोपी मिथुन उर्फ मिथुन चौधरी पुत्र अवद चौधरी, निवासी बेहरिया बैरिया, बेतिया, पश्चिमी चम्पारण (बिहार), हाल निवासी जयदेवपुर, थाना मुखानी, जनपद नैनीताल अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए पिछले लगभग दो माह से फरार चल रहा था तथा लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली काठगोदाम पुलिस एवं एसओजी सर्विलांस टीम द्वारा टेक्निकल व मैन्युअल इंटेलिजेंस के माध्यम से आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में बीती रात प्राप्त एक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने थाना मुखानी क्षेत्र के जयदेवपुर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

# सड़क दुर्घटना में साध्वियों की मौत से गुस्साया जैन समाज

संवाददाता

देहरादून। सडक दुर्घटना में दो साध्वियों की मौत पर गुस्साये जैन समाज ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या-14 (देहरादून परिक्षेत्र) के तत्वावधान में जैन समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर एसडीएम स्मिता परमार के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेश चंद जैन एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर डॉ. संजय जैन के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में रीवा (मध्य प्रदेश) में हुई हृदयविदारक सड़क दुर्घटना की निष्पक्ष जांच तथा देशभर में जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि मध्य प्रदेश के रीवा में जैन साध्वियों के विहार के दौरान सुरक्षा में गंभीर चूक के कारण एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो जैन आर्यिका श्रुतमती माताजी एवं उपशममती माताजी की असामयिक मृत्यु हो गई। बताया गया

कि एक तेज रफ्तार ट्रक ने साध्वियों को जोरदार टक्कर मारी और चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इस दर्दनाक घटना से संपूर्ण जैन समाज में गहरा शोक एवं भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि जैन साधु-संत पूर्णत: अपरिग्रही होते हैं तथा वे आजीवन देशभर में पैदल पदविहार करते हैं। ऐसे में इस विषय को अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए पूरे देश में विहाररत जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभाव से कड़ा सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही रीवा हादसे की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन कार्यक्रम में संदीप जैन, मधु जैन (मीडिया समन्वयक, जैन समाज), अंकुर जैन, मनीष जैन, प्रदीप जैन, सुरेश चंद जैन, राजीव जैन, संजीव जैन, अजीत जैन, प्रतीक जैन, पंकज जैन, सुनील जैन, अशोक जैन, प्रीति जैन, अमित जैन, दीप शिखा जैन, अलका जैन, शेफाली जैन, प्रवीण जैन, प्रदीप जैन, अनिल जैन, अजय जैन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, एडवोकेट**
**बैजनाथ, एडवोकेट**

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*